

# पेट्रोल, डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी में कटौती

नई दरें 1 जून से लागू; घरेलू ईंधन उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा कोई असर

नई दिल्ली, 31 मई केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल के निर्यात पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी में कटौती कर दी है। सरकार की ओर से शनिवार को जारी अधिसूचना के अनुसार नई दरें 1 जून से प्रभावी होंगी। हालांकि, घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल पर लागू मौजूदा उत्पाद शुल्क (एक्ससाइज ड्यूटी) में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे देश के भीतर ईंधन खरीदने वाले उपभोक्ताओं पर इस फैसले का प्रत्यक्ष असर नहीं पड़ेगा।



लीटर तथा विमानन ईंधन पर 9.5 रुपये प्रति लीटर निर्धारित की गई है। सरकार द्वारा इन दरों की नियमित समीक्षा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों के आधार पर की जाती है। आमतौर पर हर 15 दिन में इन शुल्कों का पुनरीक्षण किया जाता है ताकि

घरेलू आपूर्ति और निर्यात के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके। एक्सपोर्ट ड्यूटी में कटौती से तेल रिफाइनिंग कंपनियों को राहत मिलेगी और वैश्विक बाजार में उनकी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति मजबूत होगी। वहीं, घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तत्काल किसी बदलाव की

सरकार का कहना है कि निर्यात शुल्क में समय-समय पर संशोधन का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू बाजार में पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना और रिफाइनरियों के मुनाफे को संतुलित रखना है। एक्सपोर्ट ड्यूटी एक ऐसा कर है जो विदेशों में बेचे जाने वाले उत्पादों पर लगाया जाता है, जबकि एविएशन टर्बाइन ईंधन वह विशेष केरोसिन आधारित ईंधन है जिसका उपयोग विमानों के टर्बाइन इंजनों को संचालित करने में किया जाता है।

संभावना नहीं है क्योंकि घरेलू बिक्री पर लगने वाली कर व्यवस्था यथावत रखी गई है।



## सीनियर सिटीजंस के लिए सही आईटीआर फॉर्म चुनना जरूरी

गलत फॉर्म भरने पर इंकम टैक्स नोटिस का खतरा 75+ उम्र वालों को कुछ शर्तों पर राहत

नई दिल्ली, 31 मई 2026 आयकर विभाग ने असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए ई-फाइलिंग पोर्टल पर इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्मस को सक्रिय करना शुरू कर दिया है। इस बीच सीनियर सिटीजंस के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे अपनी आय के अनुसार सही ड्यूकफॉर्म का चयन करें, क्योंकि गलत फॉर्म भरने पर न केवल रिटर्न प्रोसेसिंग में देरी हो सकती है, बल्कि इनकम टैक्स विभाग की ओर से नोटिस भी जारी किया जा सकता है।

# पतंजलि फूड्स की आय रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई, 31 मई दैनिक उपभोग, पर्सनल केयर और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं का कारोबार करने वाली प्रमुख कंपनी पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने खरेलू उपभोक्ता मांग के मजबूत रुझानों के बल पर 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2025-26 में की चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष में परिचालन से अब तक का सबसे अधिक राजस्व दर्ज किया है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 की अवधि के लिए कंपनी का परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 18.99 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 40,169.58 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कुल परिचालन लाभ (असाधारण मदों को छोड़कर) 1,931.52 करोड़ रुपये रहा।



कंपनी ने शनिवार शाम जारी वार्षिक और तिमाही वित्तीय रिपोर्ट में कहा कि गत 31 मार्च को समाप्त तिमाही में उसका परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 17.28 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,155.60 करोड़ रुपये रहा। परिचालन लाभ का प्रतिशत 2.10 प्रतिशत दर्ज किया है।

पतंजलि फूड्स लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव अस्थानी ने कहा, 'मार्च तिमाही में, घरेलू मांग की अच्छी गति बनी रही और परिचालन संरचनात्मक रूप से मजबूत बना रहा। जीएसटी से जुड़ी चीजों के सामना होने के बाद, बिक्री चैनलों से माल की तेजी से निकाली ने खपत के रुझानों को सहारा दिया। ग्रामीण इलाकों में मांग की मजबूती बनी रही। शहरी खपत में भी तेजी देखने को मिली और इसमें हाल ही में मिले कर लाभों और वैकल्पिक वितरण चैनलों के इस्तेमाल में आसानी का योगदान रहा।'

# महंगाई कमजोर मानसून में अर्थव्यवस्था मजबूत

सेवा निर्यात, विदेशी मुद्रा भंडार और स्थिर श्रम बाजार ने बनाए आर्थिक दांचे ऊर्जा कीमतें और कमजोर मानसून वित्ताएं बढ़ा रहे हैं

नई दिल्ली, 31 मई वैश्विक अनिश्चितताओं और घरेलू चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने 'सतर्क मजबूती' का परिचय दिया है। वित्त मंत्रालय की मई 2026 की मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में बताया गया कि महंगाई और कमजोर मानसून की दोहरी चुनौती के बावजूद देश की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। भारतीय अर्थव्यवस्था वर्तमान में कई सकारात्मक संकेतों के बावजूद चुनौतियों का सामना कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, सेवा निर्यात में मजबूती, पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और स्थिर श्रम बाजार

इस तमाम चुनौतियों के बीच भारत ने विदेशी व्यापार में शानदार प्रदर्शन किया है। अप्रैल 2026 में देश के कुल निर्यात में जबरदस्त उछाल देखा गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में भारत का कुल निर्यात 80.8 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 13.6 प्रतिशत अधिक है। वहीं, व्यापार घाटा 7.8 अरब डॉलर तक घट गया, जो पिछले साल अप्रैल में 11.2 अरब डॉलर था। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भी भारत ने रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है।

देश की आर्थिक धारा को बनाए रखने में सहायक हैं। ये कारक यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वैश्विक अनिश्चितताओं और घरेलू दबावों के बावजूद आर्थिक दांचा डगमगाए नहीं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी, भारतीय रुपये में कमजोरी और कंपनियों की उत्पादन लागत में इजाफा सरकार की सतर्कता बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा, इस वर्ष सामान्य से कम होने की संभावना वाले मानसून ने खाद्य उत्पादन पर नकारात्मक असर डालने की आशंका पैदा कर दी है। वित्त मंत्रालय इन सभी जोखिमों पर लगातार नजर रख रहा है और मौद्रिक, राजकोषीय एवं संरचनात्मक नीतियों में संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। महंगाई पर बढ़ता दबाव-रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि इस समय खुदरा महंगाई और थोक कीमतों के बीच का अंतर लगातार बढ़ रहा है। इसका अर्थ है कि उत्पादन स्तर पर लागत का दबाव काफी अधिक है।

# जैव विविधता प्राधिकरण को 21.26 करोड़ प्राप्त

नयी दिल्ली, 31 मई राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) को वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान जैव संसाधनों के व्यावसायिक उपयोग की सुविधा और लाभ साझाकरण व्यवस्था के अंतर्गत 21.26 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की शनिवार को जारी एक विज्ञापित के अनुसार यह राशि अनुसंधान, वाणिज्यिक उपयोग, बौद्धिक संपदा अधिकार, जैव सर्वेक्षण और जैविक संसाधनों के जैव उपयोग के लिए दी गई स्वीकृतियों से प्राप्त हुई है और देश के जैव विविधता शासन दांचे में उद्योग की बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है।



एबीएस की व्यवस्था यह सुनिश्चित करने के लिए है कि जैविक संसाधनों के उपयोग से प्राप्त लाभ स्थानीय समुदायों, जैव विविधता प्रबंधन समितियों, किसानों और पारंपरिक ज्ञान धारकों के साथ निष्पक्ष और समान रूप से साझा किए जाएं। इससे प्राप्त धनराशि जैव विविधता संरक्षण, जैविक संसाधनों के सतत उपयोग और जमीनी स्तर पर आजीवनिक उपयोग में प्रत्यक्ष रूप से योगदान देती है। विज्ञापित के अनुसार 31 मार्च 2026 को समाप्त पिछले वित्त वर्ष में प्राधिकरण की इन प्रारंभिक क्षेत्र का योगदान 11.75 करोड़ रुपये के साथ सबसे अधिक रहा।

## कपास आयात पर छूट कच्चा माल सस्ता

नयी दिल्ली, 31 मई घरेलू कपड़ा उद्योग के लिए कपास की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से, केंद्र ने कपास के आयात पर लगाने वाले सभी सीमा शुल्कों से अस्थायी रूप से छूट दे दी है। शनिवार को जारी एक सरकारी विज्ञापित के अनुसार यह छूट 1 जून, 2026 से 30 अक्टूबर, 2026 तक लागू रहेगी। सरकार का कहना है कि इस अस्थायी शुल्क छूट से कपड़ा और परिधान क्षेत्र में कच्चे माल की लागत कम होने की उम्मीद है, जिससे निरमाताओं और उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

## तथ्यपूर्ण तैयारी से आने की अपील, शीघ्र न्याय

नयी दिल्ली, 31 मई माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) के अध्यक्ष, माननीय न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) संजय कुमार मिश्रा ने अपने फोरम के समक्ष अपील के लिए आने वालों को पूरी तैयारी, पेशेवर कुशलता और तथ्यों पर पूरी पकड़ के साथ आने की अपील की है। पीएचडी वाणिज्य एवं उद्योग मंडल की ओर से यहां जीएसटीएटी एक राष्ट्रीय सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए

## जीएसटी के महत्व पर प्रकाश डाला

सत्र की शुरुआत करते हुए, पीएचडी उद्योग मंडल की अप्रत्यक्ष कर समिति के अध्यक्ष चार्टर्ड अकाउंटेंट अशोक बत्रा ने जीएसटी के तहत तथ्यों का पता लगाने वाली अंतिम संस्था के रूप में जीएसटीएटी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इसके गुण में देरी के बावजूद, ट्रिब्यूनल से करदाताओं को विवादों को सुलझाने का एक किफायती तरीका मिलने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि जीएसटी के तहत अब तक लाखों आदेश पारित किए जा चुके हैं, फिर भी जीएसटीएटी पोर्टल पर काफी हलचल देखने को मिली है। वकीलों को मुकदमों को पूरी लगन और उकड़ौता के साथ लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि

## समाचार विशेष

# उपचुनाव में भाजपा को कैसे हराएंगे पीके ?

पटना. प्रशांत किशोर का दावा है कि उनकी पार्टी बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में मजबूती से लड़गी और भाजपा को उसके गढ़ में घुस कर हराएगी। पिछले चुनाव में जिस पार्टी की 238 में से 236 सीटों पर जमानत जल्द हो गयी हो, क्या उसके नेता के इस दावे को गंभीरता से लेना चाहिए? बिहार चुनाव में उनके सभी दावे पानी के बुलबुले साबित हुए, इसके बाद भी वे भाजपा को उसके गढ़ में घुस कर हराने का दावा कर रहे हैं। क्या यह संभव है? या फिर च्छाया-पीया कुछ नहीं और ग्लॉस फोड़ा बाहर आने का जूझाव चरितार्थ कर रहे हैं?

जमानत जब्ती का रिकॉर्ड बना था जन सुराज पार्टी का

नितिन नवीन का कुछ नहीं बिगाड़ पायी। बल्कि प्रतिक्रिया में नितिन नवीन और ज्यादा वोट (86 हजार से अधिक) मिले। यानी यहां लालू-नीतीश का कास्ट फेक्टर भी प्रभावी नहीं। 2020 में वे 83 हजार वोट मिले। 2025 में तो सारे रिकॉर्ड टूट गये और वोटों का आंकड़ा 98 हजार तक पहुंच गया। यानी राजनीतिक परिस्थितियां चाहे जैसी भी रही हों, भाजपा के वोट यहां बढ़ते रहे हैं। बांकीपुर विधानसभा सीट पहले पटना पश्चिम के नाम से जानी जाती थी। तब से इस सीट पर भाजपा का दबदबा है। लालू और शत्रुघ्न भी यहां फीके पड़ गए - ऐसा नहीं है कि भाजपा को इस सीट पर हारने के लिए विरोधी दलों ने पैंतरे नहीं आजमाये। हर एक चाल चल कर देख ली। लेकिन भाजपा को हरा नहीं पाए। इस सीट पर कायस्थ जाति के मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक है। कायस्थ समाज भाजपा का समर्पित वोट माना जाता है। अगर किसी दूसरे दल से कायस्थ उम्मीदवार खड़ा हो भी जाए, तब भी वे भाजपा को ही वोट करते हैं। इस वोट बैंक में संघ लगाने के लिए 2010 में लालू यादव ने अपने निजी सचिव रहे विनोद कुमार श्रीवास्तव को बांकीपुर से उम्मीदवार बनाया था।

## राज्यसभा चुनाव जीतने को जुटी भाजपा

सत्ताधारी विधायकों से समर्थन की उम्मीद

रांची. राज्यसभा की दो सीटों पर होने वाले चुनाव में एक सीट की दावेदारी कर रही भाजपा में इन दिनों तंजना का दौर जारी है। पार्टी की ओर से प्रत्याशी कौन होगा इससे ज्यादा पार्टी कम पर रहे वोटों के आंकड़ों को पूरा करने में जुटी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू सहित अन्य नेता जल्द ही एनडीए के सभी सहयोगी दल जदयू, लोजपा रामविलास और आजस्य सुप्रीमो से मुलाकात करेंगे। राज्यसभा चुनाव में एनडीए प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने की पहल करने पर चर्चा होगी। इधर राज्यसभा चुनाव को ध्यान में रखकर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का झारखंड दौरा जून के पहले सप्ताह में होने की संभावना है। भाजपा अध्यक्ष नितिन

## ऑपरेशन केरल शुरू हो गया

तिरुवनंतपुरम. भारतीय जनता पार्टी का ऑपरेशन केरल शुरू हो गया है। उसको लग रहा है कि जब तक केरल में त्रिकोणात्मक लड़ाई होगी और लेफ्ट की मौजूदगी बनी रहेगी तब तक भाजपा के लिए स्कोप नहीं बनेगा। दो चुनावों में उसने देख लिया है कि उसका वोट 12 फीसदी से ऊपर नहीं जा रहा है। लोकसभा चुनाव में जरूर थोड़ा ज्यादा वोट मिला लेकिन विधानसभा में केरल के लोग अब भी कांग्रेस और सीपीएम गठबंधन के बीच सिविलिंग डोर पोलिटिक्स के साथ हैं। भाजपा को यह भी पता है कि केरल के 55 फीसदी हिंदू



तभी ऑपरेशन केरल के तहत सीपीएम को निशाना बनाया गया है। राज्य में सीपीएम के सबसे बड़े नेता और दो बार लगातार मुख्यमंत्री रहे पिनराय विजयन के यहां प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के छापे से इसका संकेत मिलता है। यह मामला विजयन की बेटी की कंपनी से जुड़ा है। विजयन पर यह आरोप पहले लगा था कि उन्होंने अपनी बेटी वीणा के पति को राज्य सरकार में मंत्री बनाया। फिर वीणा की कंपनी को बिना काम करए भुगतान का मामला आया। अगर वशवाद और भ्रष्टाचार के आरोप में लेफ्ट कमजोर होता है तो अपने आप भाजपा के लिए जगह बनेगी। ध्यान रहे लेफ्ट नेताओं खास कर विजयन के हिंदू वोटों पर ज्यादा फोकस करने का नुकसान लेफ्ट को हुआ। ईसाई और मुस्लिम वोट कांग्रेस की ओर गोलबंद हुआ। अगर हिंदू वोट लेफ्ट से टूट कर भाजपा की ओर आता है तो भाजपा और कांग्रेस का आमने सामने का मुकाबला बनेगा, जिसमें भाजपा को जीतने की संभावना दिख रही है।

## भाजपा विरासत को देगी तवज्जो या नया चेहरा

देहरादून. राजधानी की केंद्र विधानसभा वर्ष 1985 से भारतीय जनता पार्टी का मजबूत किला रही है। बावजूद इसके यहां कपूर परिवार के अलावा कई दावेदार हैं जो तैयारी में जुटे हैं। अब देखना ये है कि वर्तमान विधायक सविता कपूर की उम्र को देखते हुए भाजपा राजनीतिक विरासत को तवज्जो देगी या नया चेहरा लाएगी



उत्तराखंड गठन से पहले यूपी के समय देहरादून सीट पर 1985 में हरबंस कपूर जीतकर विधायक बने थे। इसके बाद ये सिलसिला उनके निधन के बाद भी अनवरत जारी है। 2017 के चुनाव में स्व. हरबंस कपूर ने 22.89 प्रतिशत वोटों के अंतर से अपना आखिरी चुनाव जीता था। उनके निधन के बाद 2022 के चुनाव में भाजपा ने उनकी पत्नी सविता कपूर पर धरोसा जताया। सविता कपूर ने अपना चुनाव पति से भी ज्यादा 27.36 प्रतिशत वोटों के अंतर से जीता था। अब उनकी उम्र बढ़ने के साथ ही केंद्र विधानसभा भाजपा नेताओं के लिए हॉट सीट है। एक ओर जहां लंबे समय से यहां भाजपा प्रदेश मंत्री आदित्य चौहान चुनाव की तैयारी में जुटे हैं तो वहीं भाजपा नेता विनय गौयल, जोरेंद्र पुंडीर, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल भी जोर आजमाइश कर रहे हैं। अब देखा ये होगा कि अपने मजबूत किले में पार्टी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए स्व. हरबंस कपूर के पुत्र अमित कपूर पर धरोसा करेगी या फिर इनमें से किसी नए चेहरे पर दांव लगाएगी। 2022 के चुनाव में यहां 77,113 मतदाता थे। इस सीट पर 56.89 प्रतिशत मतदान हुआ था। भाजपा की प्रत्याशी सविता कपूर ने 45,492 मत हासिल किए थे। उनके प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी